भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3686

बुधवार, दिनांक 18 दिसम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>आईएसए फ्रेमवर्क समझौता</u>

3686. श्री पी. पी. चौधरीः

श्री विजय बघेलः

श्री बसवराज बोम्मईः

श्री चन्द्र प्रकाश जोशीः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अक्तूबर, 2024 तक अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर और इसका अनुसमर्थन करने वाले देशों की कुल संख्या कितनी है और हाल ही में इसमें किए गए परिवर्तन का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या विगत तीन वर्षों के दौरान आईएसए फ्रेमवर्क के अंतर्गत किन्हीं विशिष्ट परियोजनाओं अथवा पहलों को कार्यान्वित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके अंतर्गत क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं;

(ग) क्या भारत के वैश्विक जलवायु नेतृत्व को आगे बढ़ाने में आईएसए की भूमिका के संबंध में कोई आकलन किया गया है और यदि हां, तो इसके क्या निष्कर्ष निकले हैं; और

(घ) सरकार द्वारा वैश्विक स्तर पर सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करने में आईएसए की प्रभावकारिता को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/क्या उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) से (ग): अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) भारत और फ्रांस द्वारा सह-स्थापित एक क्रिया-उन्मुख, सदस्य-संचालित, सहयोगी मंच है और यह प्रथम अंतर-सरकारी संधि आधारित अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जिसका मुख्यालय भारत में है। वर्ष 2018 में आईएसए की स्थापना के बाद से ही भारत इसका अध्यक्ष रहा है। भारत विभिन्न देशों के साथ चर्चाओं में आईएसए की सदस्यता का निरंतर पक्षकार रहा है। परिणामस्वरूप, अक्टूबर, 2024 तक 120 देशों ने आईएसए के फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से 104 देशों ने आईएसए के पूर्ण सदस्य बनने का अनुसमर्थन किया है। लेबनान दिनांक 27 अगस्त, 2024 को आईएसए फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला नवीनतम देश है, जबकि अर्मेनिया दिनांक 15 अक्टूबर, 2024 को अनुसमर्थन करने और अनुसमर्थन करने के दस्तावेज प्रस्तुत करने वाला नवीनतम देश है। जनवरी, 2024 से लेकर आज तक के संकलन का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

आईएसए ने सदस्य देशों को अनुप्रयोगों की पहचान करने, सौर ऊर्जा के लिए उपयुक्त नीतियां विकसित करने, उनकी क्षमताएं विकसित करने और वित्त उपलब्धता में सुधार करने में सहायता हेतु 9 समर्पित कार्यक्रम शुरू किए हैं। अपनी स्थापना के बाद से, आईएसए ने 27 सदस्य देशों में प्रदर्शन परियोजनाएं की हैं। इन प्रदर्शन परियोजनाओं का उद्देश्य स्थानीय समुदायों को सौर प्रौद्योगिकी से परिचित कराना और उन्हें बड़े स्तर पर विस्तारित करने के लिए हितधारकों को प्रोत्साहित करना है। आईएसए द्वारा देशों को लगभग 9.5 गीगावाट सौर मिनी ग्रिड, सौर रूफटॉप और ग्राउंड माउंटेड सौर की पाइपलाइन परियोजनाओं को चिह्नित करने में सहायता की जा रही है। आईएसए ने अब तक अपने सदस्य देशों के 4500 से अधिक लोगों को प्रशिक्षण प्रदान किया है।

(घ) एक सदस्य देश और आईएसए असेम्बली के अध्यक्ष के रूप में आईएसए सचिवालय के द्वारा जब कभी अनुरोध करने पर भारत ने वित्तीय अंशदान और तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से आईएसए की सहायता की है। आज की तिथि तक भारत सरकार ने अपने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित इसके कोष और प्रशासनिक व्यय के लिए 475 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की है।

<u>अनुलग्नक</u>

'आईएसए फ्रेमवर्क समझौता' के संबंध में पूछे गए दिनांक 18.12.2024 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 3686 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

I. पूर्ण सदस्य देशों का विवरण, जिन्होंने आईएसए के फ्रेमवर्क समझौते का अनुसमर्थन किया है

क्र.सं.	देश
1	स्पेन (दिनांक 25 अप्रैल, 2024 को अनुसमर्थन, दिनांक 22 मई, 2024 को प्राप्त)
2	जाम्बिया दिनांक 22 मई, 2024 को अनुसमर्थन, दिनांक 24 मई, 2024 को प्राप्त
3	पराग्वे (दिनांक 10 मई, 2024 को अनुसमर्थन, दिनांक 26 जून, 2024 को प्राप्त)
4	नेपाल दिनांक 11 जुलाई, 2024 को अनुसमर्थन, दिनांक 15 जुलाई, 2024 को प्राप्त
5	न्यूजीलैंड दिनांक 30 जुलाई, 2024 को अनुसमर्थन, दिनांक 13 अगस्त, 2024 को प्राप्त
6	अर्मेनिया दिनांक 24 सितम्बर, 2024 को अनुसमर्थन, दिनांक 15 अक्तूबर, 2024 को प्राप्त

II. आईएसए फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले, किन्तु अनुसमर्थन न करने वाले देशों का विवरण

क्र.सं.	देश
1	माल्टा (दिनांक 20 फरवरी, 2024 को हस्ताक्षरित)
2	लेबनान (दिनांक 27 अगस्त, 2024 को हस्ताक्षरित)

*****